अनुक्रमणिका

अध्याय एक 1-40

साठोत्तरी उपन्यास - उपन्यास के तत्व

1. उपन्यास के तत्व

   कथावस्तु

   चरित्र-चित्रण

   कथोपकथन

   देशकाल-वातावरण

   शैली

   उद्देश्य

2. साठोत्तरी उपन्यास

   1.1 आधुनिकता बोध

   1.2 संबन्धों का विघटन

   1.3 दाम्पत्य संबन्धों का विघटन

   1.4 राजनीतिक यथार्थ

   1.5 आर्थिक समस्याएँ

   1.6 मध्यवर्गीय जीवन

   1.7 गाँव एवं आंचलिक जीवन

   1.8 नारी विमर्श

   1.9 मनोवैज्ञानिक संदर्भ

   1.10 दलित विमर्श

   1.2 साठोत्तर युग के प्रमुख उपन्यासकार

      1.2.1 जैनेन्द्र

      1.2.3 भगवतीचरण वर्मा

1.2.4 यशपाल
1.2.5 रंगेय राघव
1.2.6 नागार्जुन
1.2.7 लक्ष्मीनारायण लाल
1.2.8 अमृत राय
1.2.9 कमलेश्वर
1.2.9 कमलेश्वर
1.2.10 शैलेश मटियानी
1.2.11 उपेन्द्रनाथ अश्क
1.2.12 डॉ. रामदरश मिश्र
1.2.13 ममता कालिया
1.2.14 गिरिराज किशोर
1.2.15 मेहरुन्निसा परवेज़

निष्कर्ष

अध्याय दो 41-69

मेहरुन्निसा परवेज़ व्यक्तित्व एवं कृतित्व

1. व्यक्तित्व
   1.1 जीवन परिचय
   1.2 पुरस्कार और सम्मान
   1.3 साहित्यिक योगदान
2. कृतित्व
   2.1 उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय
      2.1.1 अकेला पलाश
      2.1.2 कोरजा
      2.1.3 समरांगण

निष्कर्ष

अध्याय तीन 70-100

मेहरुन्निसा परवेज़ के उपन्यासों में स्त्री

1. नारी जीवन के विभिन्न पहलू
    1.1 माँ के रूप में
    1.2 बेटी के रूप में
    1.3 बहन के रूप में
    1.4 पत्नी के रूप में
    1.5 सास-बहु के रूप में
    1.6 प्रेयसी के रूप में
2. नारी जीवन की समस्याएँ
    2.1 वैवाहिक समस्या
    2.2 दहेज की समस्या
    2.3 बाल-विवाह
    2.4 अकेलापन
    2.5 तलाक की समस्या
    2.6 विधवा समस्या
    2.7 नौकरी पेशा नारी की समस्याएँ
    2.8 अनमेल विवाह की समस्याएँ
    2.9 शोषण
    2.10 अंतर्जातीय विवाह
    2.11 दाम्पत्य संबन्धों में आयी शिथिलता
3. नारी के बदलते रूप

निष्कर्ष

अध्याय चार 101-136

मेहरुन्निसा परवेज़ के उपन्यासों में शोषितवर्ग

1. शोषित वर्ग
    1.1 शोषिवर्गीय जीवन का सामाजिक पक्ष
    1.2 शोषिवर्गीय जीवन का आर्थिक पक्ष

1.3 शोषिवर्गीय जीवन का धार्मिक पक्ष

1.4 शोषिवर्गीय जीवन का सांस्कृतिक पक्ष

1.5 शोषिवर्गीय जीवन का राजनैतिक पक्ष

निष्कर्ष

अध्याय पाँच 137-176

मेहरुन्निसा परवेज़ के उपन्यासों में भाषाशैली

1. भाषा

1.1 शब्द संपत्ति

1.1.1 संस्कृत शब्द

1.1.2 विदेशी भाषा

क. अरबी-फारसी शब्द

ख. अंग्रेज़ी शब्द

1.1.3 आँचलिक भाषा

1.2 शब्द युग्मों का प्रयोग

क. संयुक्त शब्द

ख. समान संयुक्त शब्द

1.3 रिश्ते नाते शब्द

1.4 कहावतें (लोकोक्तियाँ)

1.5 सूक्तियाँ

1.6 गालियों का संदर्भ

1.7 भाषा-गत प्रयोग

1.7.1 भावात्मकता

1.7.2 काव्यात्मकता

1.7.3 पात्रानुकूलता

1.7.4 चित्रात्मकता

1.7.5 ध्वन्यात्मकता

2. शैली

2.1 कथावर्णन की शैलियाँ

2.1.1 आत्मकथात्मक शैली

2.1.2 आँचलिक शैली

2.1.3 वर्णनात्मक शैली

2.1.4 फ्लैश-बैक शैली

2.1.5 आलंकारिक शैली

2.2 चरित्र-चित्रण की शैलियाँ

2.2.1 सार्थक नामकरण द्वारा

2.2.2 लेखकीय परिचय द्वारा

2.2.3 पात्र के चिन्तन द्वारा

3. बिंब विधान

3.1 दृश्य बिंब

3.2 श्रव्य बिंब

3.3 घ्राण बिंब

3.4 स्पर्श बिंब

3.5 स्वाद बिंब

निष्कर्ष

उपसंहार 177-182

संदर्भ ग्रंथ सूची 183-195